भाजपा को सेक्टर 15 फरीदाबाद में मिला.....

पेज एक का शेष

कुल अनुमानित दाम का दस फीसदी जमा कराना था। यह पैसा करीब 2680776 रुपये था। आवेदन 18 अगस्त 2020 से लेकर 29 सितम्बर 2020 तक किया जाना था। इसके लिए आसान सी शतें रखी गईं। इसमें कहा गया था कि सिर्फ राष्ट्रीय और राज्य में मान्यता प्राप्त दल ही इस प्लाट के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिन दलों का कोई भी विधायक हरियाणा विधानसभा में नहीं है, वो दल इस प्लॉट के लिए आवेदन नहीं कर सकते।

सब काम चुपचाप

इस विज्ञापन का बहुत ज्यादा प्रचार नहीं किया गया। इसकी जानकारी या तो प्रॉपर्टी डीलरों को थी या फिर भाजपा और जेजेपी के उच्चस्तरीय नेताओं को थी। यहां तक कि राज्य के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं को भी इस तरह का प्लॉट राजनीतिक दलों को बेचे जाने की जानकारी नहीं थी। हुडा के पास सिर्फ भाजपा और जेजेपी के ही आवेदन आये हैं। इसके बाद इस फाइल को बहुत गोपनीयता बरतते हुए हुडा के पंचकुला मुख्यालय भेज दिया गया। हुडा सीधे मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के अधीन है। मीटिंग की खानापूर्ति करके भाजपा का आवेदन मंजूर करते हुए उसे सेक्टर 15 में एपीजे स्कूल के पास 851.04 वर्गमीटर प्लॉट आवंटित कर दिया गया। हालांकि अभी फरीदाबाद में हुडा दफ्तर के पास सरकारी फैसले की सूचना नहीं आई है। लेकिन हुडा के पंचकुला स्थित आला अफसरों ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि सरकार के दबाव पर भाजपा को प्लॉट आवंटित कर दिया गया है। लिखित आदेश को फरीदाबाद भेजा जाना एक मामूली प्रक्रिया है जो रुटीन में हो जाएगी। प्लॉट जिला भाजपा को दिया जा चुका है।

सेक्टर 78 में भी मिला था प्लॉट

2019 में दोबारा सत्ता हथियाने के बाद भाजपा ने हर जिले में अपना दफ्तर बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी थी। फरीदाबाद में सबसे पहले नहरपार सेक्टर 78 में भाजपा को हुडा ने चुपचाप प्लॉट आवंटित किया था, जिसकी मद में शुरुआती 28 लाख रुपये भाजपा ने जमा भी करा दिए। लेकिन बाद में स्थानीय वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने कहा कि जिला कार्यालय जब तक मुख्य फरीदाबाद में नहीं होगा, तब तक पार्टी अपनी गतिविधियों को ठीक से नहीं चला पाएगी। इसलिए पार्टी का दफ्तर सेक्टर 12 में तमाम सरकारी दफ्तरों के पास ही होना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक इसके लिए चंडीगढ़ से फरीदाबाद हुडा दफ्तर के अफसरों पर जबरदस्त दबाव बनाया गया कि वे प्राइम लोकेशन पर भाजपा को प्लॉट दिलाएं।

भाजपा की चाकरी में जुटे मुंह लगे हूडा के कुछ अफसरों ने सेक्टर 15 के प्लॉट का उल्लेख भाजपा नेताओं से कर दिया। इसके बाद दबाव बनाकर नहरपार सेक्टर 78 में जिला भाजपा को मिले प्लॉट का आवंटन रद्द कराया गया और उसके बाद सेक्टर 15 में देने का फैसला किया गया। लेकिन यह प्लॉट हूडा सीधे दे नहीं सकता था, इसलिए इसका विज्ञापन निकाला गया। चूंकि प्लॉट सिर्फ भाजपा को ही मिलना था, इसलिए इस विज्ञापन को कभी कभार छपने वाले समाचारपत्रों में इस ढंग से इतना छोटा निकाला गया कि किसी की नजर ही न पड़े। लेकिन इस विज्ञापन की भनक कहीं से जेजेपी को पड़ गई। उसने भी खानापूर्ति के लिए आवेदन कर दिया लेकिन प्लॉट पाने को उसने मुद्दा नहीं बनाया। अगर जेजेपी समेत सारे राजनीतिक दल इसे मुद्दा बना देते तो शायद 'हूडा' को भाजपा के प्लॉट देने की प्रक्रिया रोकनी पड़ती। हूडा ने जिस गोपनीय तरीके से नहरपार सेक्टर 78 में भाजपा को प्लॉट आवंटित किया था, वही गोपनीयता सेक्टर 15 वाले प्लॉट के मामले में भी बरती गई।

भाजपा दफ्तर बनाने के नाम पर स्कैंडल

रोहतक और गुड़गांव में भाजपा का दफ्तर बनने को लेकर जब विवाद सामने आया तो इसके जरिए एक स्कैंडल भी सामने आया। रोहतक सेक्टर 5 में रेलवे ओवरब्रिज के साथ एक एकड़ जमीन पर खड़ा बीजेपी का दफ्तर शुरू से विवादों के केंद्र में रहा है। यह जमीन सारे नियमों को ताक पर रखकर दी गई। यह दफ्तर साढ़े छह मंजिला है। इसे नोएडा की कंपनी विवाम कॉन्ट्रैक्ट इंडिया प्रा. लि. ने बनाया था। लेकिन असली कहानी कुछ और है। मीडिया रपटों और विपक्ष के आरोपों के मुताबिक जिस कंपनी को देश के पहले एलिवेटेड रेल ट्रैक का ठेका मिला है, उसी से रोहतक में भाजपा का दफ्तर बनाने की डील हुई थी। यानी ठेके के बदले उस कंपनी को रोहतक में भाजपा का दफ्तर बनवा कर देना था। रोहतक दफ्तर पर सौ करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। भाजपा का रोहतक में दफ्तर बनवाने में पूर्व मंत्री और प्रमुख नेता मनीष ग्रोवर की मुख्य भूमिका रही है।

इसी तरह गुडगांव में सबसे महंगी जमीन पर भाजपा का दफ्तर है। हूडा ने सबसे पहले 2017 में सेक्टर 41 में भाजपा को 4000 वर्गमीटर जगह आवंटित की। लेकिन भाजपा नेताओं को वह जगह पसंद नहीं आई। हालांकि इलाके के लोगों ने यह जगह आवंटित किए जाने का विरोध किया था। इसके बाद सेक्टर 30 में बेशकीमती जमीन भाजपा दफ्तर के लिए हूडा ने आवंटन की पेशकश की।

एक तरफ तो भाजपा अपनी ही सरकार की मदद से हरियाणा के हर जिला मुख्यालय पर जमीन आवंटित करा रही है, दूसरी तरफ कांग्रेस ने जब यही काम किया था तो भाजपा ने उसे बड़ा भ्रष्टाचार बताया और अपनी ही सरकार की ओर से केस दर्ज करा दिया। कांग्रेस शासनकाल में भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने पंचकूला में कांग्रेस समर्थित अखबार नैशनल हेराल्ड और नवजीवन के लिए जमीन आवंटित की थी। हुड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और कई अन्य नेता आज भी उस मामले में अदालत का सामना कर रहे हैं। एक अजीबोगरीब बात यह भी है, कि भाजपा अपनी ही सरकार की मदद से अपने दफ्तर के लिए हर शहर में जमीन ले रही है लेकिन कांग्रेस की ओर से इसे कभी मुद्दा नहीं बनाया गया।

(अगले हफ्ते पढ़िए इसी से जुड़ा एक और सनसनीखेज खुलासा)

फरीदाबाद के चुनाव अधिकारी जी बलजीत के 5000 रुपये तो लौटा दो

पृथला विधानसभा से 2019 में नामांकन कराते समय जमा कराए गए थे पैसे

चन्द्र प्रकाश

बल्लभगढ़: चुनाव आयोग का दिल्ली मुख्यालय यहां से बहुत दूर नहीं है लेकिन उसी की नाक के नीचे फरीदाबाद में चुनाव अधिकारी मनमानी और धांधली पर उतरे हुए हैं। चुनाव आयोग का नियम है कि पंचायत चुनाव से लेकर विधानसभा और लोकसभा तक का चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी से एक तय फीस ली जाती है। अगर किसी वजह से उस आवेदक का नामांकन रद्द हो जाता है तो उस फीस को फौरन वापस करने का आदेश है। लेकिन फरीदाबाद जिले के चुनाव अधिकारियों ने इस नियम की सरेआम धज्जियां उड़ा रखी हैं।

क्या है पूरा मामला

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2019 में पृथला (85) विधानसभा सीट से विधायक पद के लिए असावटी गांव के बलजीत सिंह जाटव ने फरीदाबाद सेक्टर 12 में नामांकन कराया। चुनाव अधिकारियों ने निराधार कारण बताकर उसका नामांकन रद्द कर दिया और प्रत्याशी को किसी ठोस वजह की जानकारी भी नहीं दी। अंत में प्रत्याशी ने जमा कराई अपनी 5000 की राशि को वापस मांगा तो उसे कल आने के लिए कहा। तब से लेकर आज तक चुनाव अधिकारी बलजीत सिंह जाटव से

बलजीत सिंह जाटव

टालमटोल करते आ रहे हैं। कायदे से उन्हें यह पैसा तुरंत ही वापस मिल जाना चाहिए था लेकिन उसके लिए वह आज तक दर-दर खाक छान रहे हैं।

इस संबंध में बलजीत ने चुनाव आयोग के रिटर्निंग ऑफिसर सेक्टर-12, फरीदाबाद को फीस वापसी के लिए लिखित निवेदन भी तीन बार किया लेकिन किसी के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। जिला निर्वाचन अधिकारी यानी डीसी ने फिलहाल रिटर्निंग ऑफिसर का चार्ज परमजीत सिंह चहल को दिया हुआ है। जून 2020 में परमजीत सिंह ने बलजीत को आश्वासन दिया कि आपके पैसे जल्द आपको वापस कर दिए जाएंगे। आप मुझसे फोन पर बात कर लेना लेकिन अब चहल साहब ने बलजीत सिंह का फोन उठाना ही बंद कर दिया है।

वादे पर वादा

एक तरफ तो रिटर्निंग अफसर बलजीत सिंह जाटव को टहला रहे हैं तो दूसरी तरफ कानूनगो भी कम नहीं है। पृथला विधानसभा की कानूनगो नैना नरूला ने भी बलजीत को पैसे वापस करने का वादा किया था, लेकिन अब उन्होंने भी बलजीत सिंह का फोन उठाना बंद कर दिया है। सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग के इतने बुरे दिन आ गए हैं कि एक निरस्त प्रत्याशी के 5000 रुपये देने में वह असमर्थ हो जाए। जिले के अधिकारियों की मनमानी और काम न करने की नीयत इसकी जिम्मेदार है। जो भी विभागीय कारण रहे हों, बलजीत के खून पसीने के पैसे को हजम कर अधिकारी क्या संदेश देना चाहते हैं? गौरतलब है कि बलजीत ने दो बार हरियाणा के मुख्य चुनाव अधिकारी पंचकुला और जिला उपायुक्त फरीदाबाद को भी लिखित प्रार्थना की, जिसका उनकी तरफ से कोई जवाब और आश्वासन नहीं मिला है।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

समाज सेवा को समर्पित यशपाल यादव की एक ही मंशा है कि बुजुर्गों का आशीर्वाद ही हमें अच्छा इंसान और अच्छा नेता बना सकता है। राजनीति समाज सेवा का माध्यम है

यशपाल यादव (समाजसेवी)
(चंदावली)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गांव के विकास को हमने प्राथमिकता दी। अपने निजी हितों के लिए इस पद का इस्तेमाल नहीं किया। मातृभूमि से बढ़कर कुछ नहीं होता।

योगेन्द्र कुमार
(सरपंच नरियाला)

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

लोकतंत्र राजनीति की आत्मा है। स्वच्छ राजनीति ही देश को मजबूत बनाती है। देश का निर्माण आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति के निर्माण से ही है। धर्म जाति, मंदिर, मस्जिद, अमीर-गरीब छोटे बड़े का भेदभाव मिटाकर जो कार्य किया जायेगा। असल मायने में वही राष्ट्र निर्माण होगा।

सतीश बघेल (एडवोकेट)
प्रदेश प्रवक्ता हरियाणा, भारतीय युवा कांग्रेस
मोबाइल : 9911707284